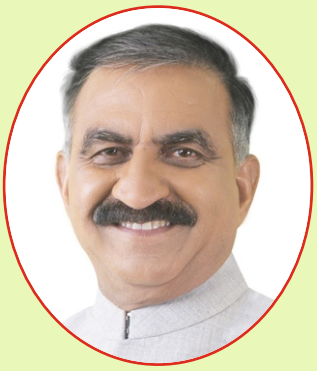

एचपीशिवा

हिमाचल प्रदेश उपोष्णकटिबंधीय बागवानी, सिंचाई एवं मूल्य वर्धन परियोजना

एशियन विकास बैंक द्वारा वित्तपोषित

परियोजना अवधिः 2023—2028

वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर - लीची

एचपीशिवा क्लस्टर, धानग, कांगड़ा

ADB
ASIAN DEVELOPMENT BANK

परियोजना प्रबन्धन इकाई

एचपीशिवा परियोजना, उद्यान विभाग,

नवबहार, शिमला-171002, हिमाचल प्रदेश

DEPARTMENT OF HORTICULTURE HIMACHAL PRADESH

फोन–0177–2841120 ईमेल–**pmuhpshiva@gmail.com** वेबसाईट– **https://hpshiva.hp.gov.in**

वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर

- पौधे का तौलिया बनाकर उसमें 20 किग्रा अच्छी तरह गला–सड़ा गोबर, 500 ग्राम एसएसपी तथा सूक्ष्म उर्वरक मिलाकर डालें।
- तौलिये में सूखी घास से मल्चिंग (लगभग 15 सेमी0) करें एवं ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें।
- छोटे पौधों की सिधाई करें व बड़े पौधों की कंटाई–छंटाई करें तथा इसके उपरांत कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (3 ग्रा0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- पौधों के तने पर बोर्डो पेस्ट (0.8 किग्रा0 नीला थोथा : 1 किग्रा0 चूना : 10 ली0 पानी) लगाएं।
- प्रत्येक फर्टिगेशन के बाद ड्रिप प्रणाली की फ्लशिंग करें तथा ड्रिपर की जांच करें।

- पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- पौधों को पाले से बचाने के लिए लगायी गई घास को पौधों पर से हटा दें।
- माइट की रोकथाम के लिए मेटासिस्टॉक्स (0.1 मिली/ली0 पानी) या फैनपायरौक्सीमेट (0.5 मिली/ली0 पानी) या स्पायरोमेसीफेन (0.5 मिली/ली0 पानी) या घुलनशील सल्फर (0.5 ग्राम/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- पौधों को फल छेदक कीट से बचाने के लिए स्पिनोसेड (0.2 मिली/ली0 पानी) या साइपरमेथ्रिन (1 मिली/ली0 पानी) या फ्लुबेंडीमाइड (0.25 मिली/ली0 पानी) का छिडकाव फूल आने से पहले करें।

- पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- माइट की रोकथाम के लिए फैन्जाक्विन (0.5 मिली/ली0 पानी) या फैनपायरौक्सीमेट (0.5 मिली/ली0 पानी) या स्पायरोमेसीफेन (0.5 मिली/ली0 पानी) या स्पायरोमेसीफेन (0.5 मिली/ली0 पानी) या घुलनशील सल्फर (0.5 ग्राम/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- मल्टीप्लेक्स (0.2 प्रतिशत) का छिड़काव करें।
- तौलिये में सूखी घास से मल्चिंग (लगभग 15 सेमी0) करें।

- पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- नया बगीचा स्थापित करने के लिए बगीचे की रूपरेखा तैयार करें।
- पत्ती विश्लेषण के लिए पत्तों के नमूने इकट्ठा करें।
- मल्टीप्लेक्स (0.2 प्रतिशत) का छिड़काव करें।
- पौधों के तने पर बोर्डो पेस्ट (0.8 किग्रा0 नीला थोथा : 1 किग्रा0 चूना : 10 ली0 पानी) लगाएं।
- बोरोन और जिंक सल्फेट के दो छिडकाव 15 दिन के अंतराल पर करें।

- नया बगीचा स्थापित करने के लिए गढ्ढे तैयार करें।
- पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिपर व ड्रिप प्रणाली की नियमित जांच करें।
- सारणी (**PoP**) के अनुसार फर्टिगेशन करें तथा प्रत्येक फर्टिगेशन के बाद ड्रिप प्रणाली की फ्लशिंग करें।
- फलों की गुणवत्ता में सुधार के लिए बोरेक्स (2.5 ग्राम/लीटर) का छिडकाव करें।

- पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- फल को फटने से बचाने के लिए कैल्शियम (2 ग्राम/लीटर) और जी ए 3 (20 मिली ग्राम/ली0) का छिडकाव करें।
- फल तुड़ान के साथ–साथ पौधों की कांट–छांट भी करें।
- नया बगीचा स्थापित करने के लिए किये गए गढ्ढों में 20 किग्रा गला–सड़ा गोबर, 1 किग्रा नीम केक, 500 ग्राम एसएसपी मिलाकर डालें तथा सिंचाई करें।
- मल्टीप्लेक्स (0.2 प्रतिशत) का छिड़काव करें।
- बोर्डो मिश्रण या कॉपर आक्सीक्लोराइड या कार्बेन्डेजिम का छिडकाव करें।

- बडे पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें, अगर मिट्टी में पर्याप्त नमी है तो सिंचाई न करें।
- नए पौधों का रोपण करें व तत्पश्चात् सिंचाई करें।
- बगीचे में समय – समय पर उठी हुयी क्यारियों एवं बीच के स्थान की साफ–सफाई तथा आवश्यक मरम्मत करें।
- पानी को पौधों के चारों तरफ खड़ा न होने दें।
- फ्यूजेरियम विल्ट से पौधों के बचाव के लिए कार्बेन्डेजिम (0.1 ग्राम/ली0) या हेक्साकोनाजोल (0.1 मिली/ली0) की ड्रेंचिंग करें।
- पौधों की हल्की छंटाई करें तथा कॉपर आक्सीक्लोराइड का छिडकाव करें।

- पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- बगीचे से पानी की निकासी का उचित प्रंबध करें।
- सौर बाड़ के आस–पास साफ सफाई करें, बैटरी तथा करंट की नियमित जांच करें।
- पुराने पौधों की कांट–छांट करें।
- ट्राइकोडर्मा हरजियानम, ट्राइकोडर्मा विरिडी के साथ अरंडी या नीम की खली को भी तौलिए की मिट्टी में मिलाएं।

- पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिपर व ड्रिप प्रणाली की नियमित जांच करें।
- सारिणी (PoP) के अनुसार फर्टिगेशन करें तथा प्रत्येक फर्टिगेशन के बाद ड्रिप प्रणाली की फ्लशिंग करें।
- माइट की रोकथाम के लिए मेटासिस्टॉक्स (0.1 मिली/ली0 पानी) या फैनपायरौक्सीमेट (0.5 मिली/ली0 पानी) या स्पायरोमेसीफेन (0.5 मिली/ली0 पानी) या घुलनशील सल्फर (0.5 ग्राम/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- पेड के अंदरूनी भाग की कंटाई व छंटाई करें।

- पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिपर व ड्रिप प्रणाली की नियमित जांच करें।
- पौधों में जिंक की कमी के लक्षण दिखने पर जिंक सल्फेट (1 किग्रा/200 ली0 पानी) तथा अनबुझा चूना (0.5 किग्रा/200 ली0 पानी) का छिड़काव करें।

- पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिपर व ड्रिप प्रणाली की नियमित जांच करें।
- बगीचा लगने के प्रारंभिक दो वर्षों में रबी की फसलें जैसे मटर, दालें, इत्यादि को अंतर फसलों के तौर पर रोपित किया जा सकता है।
- छोटे पौधों को पाले से बचाने के लिए सूखी घास से ढक दें।
- बगीचे में समय–समय पर उठी हुयी क्यारियों एवं बीच के स्थान की साफ–सफाई तथा आवश्यक मरम्मत करें।
- जिंक सल्फेट (2 ग्राम/ली0 पानी) तथा बोरिक एसिड और यूरिया (2 प्रतिशत) का एक छिड़काव करें।

- पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिप प्रणाली की नियमित फ्लशिंग करें।
- रोग ग्रस्त तथा आपस में मिलने वाली शाखाओं को निकाल दें व इसके उपरांत कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (0.3 ग्रा0/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- लीफ ब्लाईट से बचाव हेतु बोर्डो मिश्रण (1 प्रतिशत) या कॉपर आक्सीक्लोराइड (3 ग्राम/ली0 पानी) का छिडकाव करें।

तकनीकी सहयोग – *डा0 वाई0 एस0 परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, औद्यानिकी एवं वानिकी विद्यालय, नेरी, हमीरपुर।*

एचपीशिवा परियोजना से सम्बंधित जानकारी के लिए संपर्क करें			
निदेशक उद्यान, हिमाचल प्रदेश उद्यान विभाग, नवबहार, शिमला – 171002 फोन :+91-177-2842390 ई–मेल : horticul-hp@nic.in	परियोजना निदेशक / परियोजना उपनिदेशक / नोडल अधिकारी एचपीशिवा परियोजना प्रबन्धन इकाई, उद्यान विभाग, नवबहार, शिमला – 171002 फोन :+91-177-2841120 मो : +91-7018615569 / 7018134993 ई–मेल: pmuhpshiva@gmail.com / nodalofficerhpshiva@gmail.com वेबसाइट: https://hpshiva.hp.gov.in	परियोजना उपनिदेशक एचपीशिवा परियोजना क्रियान्वयन इकाई, जल शक्ति विभाग, जल शक्ति भवन, शिमला फोन :+91-1905-292113 मो : +91-9816573293 / 9418465461 ई–मेल: deepakgarg5461@gmail.com	उप निदेशक उद्यान / जिला समन्वयक / प्रबन्धन विशेषज्ञ बिलासपुर : ddhbilaspur63@gmail.com मण्डी : horticulturemandi@gmail.com कांगडा : ddhkangra@yahoo.in / ddhkangra@gmail.com हमीरपुर : ddhhamirpur@gmail.com सोलन : ddhsolan@gmail.com सिरमौर : ddhsirmour7@gmail.com ऊना : ddhuna@rediffmail.com

समस्त विषय विशेषज्ञ उद्यान, उद्यान विकास अधिकारी, सहायक उद्यान विकास अधिकारी, उद्यान प्रसार अधिकारी एवं क्लस्टर प्रभारी